Annexure3.2

Signature Song of Department of higher education "बढ़ता जाये देखो हिमाचल निज प्रगति के पथ पर" written, composed and sung by Dr. Satish Thakur while serving at Govt. Degree College Dharamshala.

हिमाचल शिक्षा विभाग

यह गीत प्रदेश की संस्कृति तथा लोगों की भावनाओं को व्यक्त करता है। इस गीत की रचना पर भी गहन चिंतन एवं मंथन किया गया है...

भारतवर्ष में कई राज्यों ने आधिकारिक रूप से अपने राज्य गीत को घोषित किया है जिनमें ग्यारह राज्य तथा एक केन्द्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इन राज्य गीतों को राष्ट्रीय, प्रादेशिक या विशेष अवसरों पर गाया जाता है। हिमाचल प्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश ने अपनी स्थापना स्वर्ण का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया। इसी प्रकार देश अपनी आज़ादी का 75वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस वर्ष प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य सिग्नेचर सॉन्ग का सृजनकर एक सराहनीय कार्य किया है। प्रदेश के लिए यह ऐतिहासिक एवं गौरवमयी घटना है। इस सिग्नेचर सॉन्ग को हिमाचल के पांच संगीत प्राध्यापकों की एक टीम ने गहन सोच, विचार-विमर्श, चर्चा तथा चिंतन के पश्चात हिंदी भाषा में लिखा तथा संगीत रचना कर स्वयं अपने स्वर में गाया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के स्वर्णिम वर्ष तथा स्वतंत्रता के 75वें अमृत महोत्सव वर्ष में इस सिग्नेचर सॉन्ग के निर्माण की प्रक्रिया उस समय शुरू कर दी थी जब 24 मार्च 2021 को मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रतिष्ठित कलाकारों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह विचार सांझा कर अपनी यह इच्छा जताई।

इस वर्ष सरकार की प्रस्तावित स्वर्ण जयंती रथ यात्रा के लिए भी इस सिग्नेचर सॉन्ग की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस संदर्भ में अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी धीमान के नेतृत्व में एक कमेटी गठित कर यह कार्य राज्य शिक्षा विभाग, भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को सौंपा। हिमाचल प्रदेश राज्य शिक्षा विभाग ने इस कार्य के लिए विभागीय स्तर पर पांच सदस्यीय संगीत प्राध्यापकों की समिति गठित की। इसके लिए शिक्षा निदेशक डा. अमरजीत के. शर्मा ने 15 सितंबर 2021 को डा. गोपाल कृष्ण भारद्वाज राजकीय महाविद्यालय फाइन आर्ट्स शिमला, प्रो. सुरेश शर्मा स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं, डा. सतीश ठाकुर राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, डा. लालचंद राजकीय फाइन आर्ट्स कॉलेज शिमला तथा डा. हेमराज राजकीय महाविद्यालय कोटशेरा, शिमला को इस गीत को तैयार करने के आदेश दिए। कई दिनों के अथक प्रयासों, चिंतन, मनन, मंथन, चर्चा तथा परिचर्चाओं के दौर से निकलते हुए इसी संगीत समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस गीत को लिखा, स्वरबद्ध किया तथा इस गीत को अपनी आवाज़ में रिकॉर्ड भी किया। इसके अतिरिक्त सहयोगी स्वरों के रूप में याचिका, परूल शर्मा, रीना शर्मा, रचना शर्मा तथा नेहा दीक्षित ने महिलाओं के स्वर देकर इस संगीत कृति को अलंकृत किया। प्रदेश के प्रसिद्ध हारमोनियम वादक डा. लालचंद, बांसुरी वादक लाभ सिंह, गिटार वादक राजा, तबला वादक अमित कुमार तथा सिंथेसाइजर पर आशीष ने इस संगीत संरचना का अलंकरण किया। इस राज्य गीत को शिमला के मुकुंद स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया तथा धनंजय शर्मा ने अपने सांगीतिक एवं तकनीकी अनुभव से बड़ी कुशलता से ध्वनि अंकन किया। इस गीत में प्रदेश जनसंपर्क विभाग के अमरजीत शर्मा द्वारा सुंदर एवं आकर्षक विज़ुअल भी डाले गए। इस गीत के दो भाग हैं। एक भाग मात्र एक मिनट पच्चीस सेकंड का है जिससे विशेष अवसरों तथा विशेष गणमान्य अतिथियों सरकारी, गैर सरकारी तथा प्रदेश के महत्वपूर्ण अवसरों तथा समारोह पर गाया जाएगा।

इसे सिग्नेचर सॉन्ग कहा गया है। दूसरा भाग इस गीत का संपूर्ण भाग है जो कि सात मिनट तथा चार सेकंड की समय अवधि का है जिसमें स्थायी के अतिरिक्त चार अंतरे हैं। यह गीत 'प्यारा हिमाचल-न्यारा हिमाचल' तथा 'बढ़ता जाए-शिखर की ओर' की टैग लाइन पर आधारित है जिसे राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय तथा अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजनों, खेल उत्सवों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों तथा सभी सरकारी विभागों के समारोहों पर गाया-बजाया जा सकता है। यह गीत विभिन्न स्तरों पर विभिन्न बैठकों में विभिन्न अधिकारियों, संगीतकारों तथा चिंतकों की अनेक चर्चाओं के पश्चात तैयार किया गया है। यह गीत प्रदेश की संस्कृति तथा लोगों की भावनाओं को व्यक्त करता है। इस गीत के शब्दों तथा साहित्यिक रचना पर भी गहन चिंतन एवं मंथन किया गया है। इसकी धुन सरल तथा सर्वग्राहय तैयार की गई है ताकि यह लोगों का लोकप्रिय गान बन सके। इस गीत के चार अंतरे हैं। पहला अंतरा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं समर्पण, दूसरा अंतरा प्रदेश के क्रमिक विकास, तीसरा अंतरा प्रकृति दर्शन, देव संस्कृति तथा चौथा अंतरा हिम बांकुरों, वीर शहीदों की गाथा को व्यक्त करता है। साहित्यिक एवं सांगीतिक दृष्टि से जहां इस गीत से आधुनिकता की खुशबू आती है, वहीं पर स्वर-ताल एवं संगीत से प्रदेश की संस्कृति तथा वीरता की भावना प्रस्फुटित होती दिखाई पड़ती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा इस सिग्नेचर सॉन्ग का आठ जून, 2022 को हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरण समारोह में प्रमोचन किया गया।

In state level celebration of Maharana Pratap Jayanti in Nagrota Bagwan in June, 2026 where Honourable Chief Minister of Himachal Pradesh Sh. Sukhwinder Singh Shukhu was chief guest, sung VEER Gaatha of Maharana Pratap witch was also composed and written by Dr. Satish Thakur.

Special achievement

①Theme Song for higher education Shimla

बढ़ता जाएँ देखो हिमाचल निजप्रगति के पथ पर

② Veer Gatha of MaharanaPratap (Written & Composed by itself) कुर्बानी महाराणा जी ने दे दी अपनी जान की, देश की खातिर यह गाथा है बलिदान की

③VikramBatra Song(Written & Composed by itself)

④ Shaheed DurgaMal Thapa&Dal Bahadur Thapaa Song (Written Composed & performed in Stages)

शहीद दुर्गा मल तुझे सलाम, शहीद दल बहादुर को सलाम ! तुम शान ए हिमाचल हो, भारत की शान

⑤ Self-made Composition

~~Indian~~

1 Group Song — 52

2 light vocal music — 55

3 Prizes during Youth festival — 105

Classical, Semi Classical, light vocal, Folk song, Western Group Songs, Western Solo, folk dance Tradition of KangraJhamakada

Contribution made for incubation center / institution innovation cell /any innovative idea of nominee adopted by the institution:

In the latest phase the use of AI (Artificial Intelligence) tools is told the students in the field of Music. How Artificial Intelligence can be used to create music both instrumental and vocal. Moreover the AI is already integrated in the smart class room teaching. The students are demonstrated about pitch & frequency, breath control, resonance experiment and vocal health experiments. Students are made aware about google Lyria Model and ACE Studio and Kits AI.

Create music

Try a template or describe a track in chat. Create with Lyria 3.

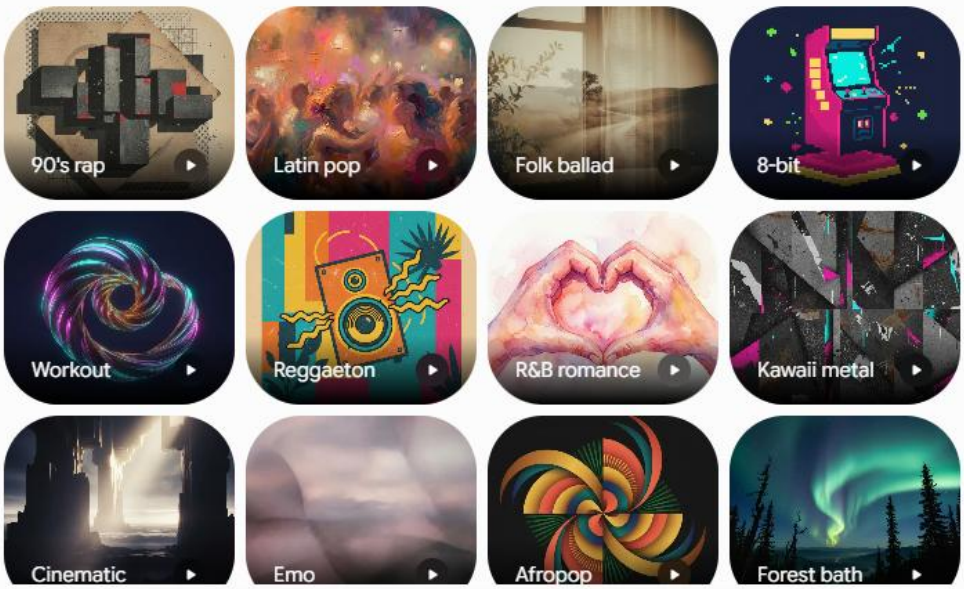

Customize this track

Music

Flash

विश्व संगीत दिवस

संगीतांजली सन्धया
21 जून 2013 शुक्रवार

स्थान : शोभा सिंह सभागार, टाण्डा

समय : 5 बजे सांय से 9.00 बजे तक

आयोजक एवं निवेदक : हिमाचल शास्त्रीय संगीत परिषद् रजि. मुख्या0 श्री चामुण्डा एवं केन्द्रीय छात्र संगठन, डा0 राजेन्द्र प्रशाद राजकीय चिकित्सीय महाविद्यालय, कांगड़ा स्थित टांडा।

निमंत्रण एंव प्रवेश पत्र

संगीतज्ञ एवं विशेष आर्कषण

डा0 सतीश ठाकुर	श्री कुलदीप सिंह गुलेरिया
डा0 गुरूंग जी	श्री चुनी लाल जी
डा0 सुरेश शर्मा	कु0 अनन्या चौहान
श्री बृज लाल पराशर	कु0 ऋषिका शर्मा
प0 रवि शास्त्री	मा0 क्षितिज सूद
श्री रमेश सोनी	शकुन्तलम कत्थक कला केन्द्र (उ.प्र.)
श्री मान सिंह मान	एवं डा0 रा.प्र.रा.चि.म. के विद्यार्थी

CHARRI 176213 17.6.96 KANGRA

भारत सरकार
आकाशवाणी शिमला

सं॰ स॰ स॰ स॰ उ॰।।सं/96-पी-11/5116 On India Govt. Service दिनांक 13-6-96

बुक पोस्ट

Sh. Satesh Thakur
Vill & P.O. Dodhamb
Teh. Dharamshala
Dis. Kangra

आकाशवाणी/All India Radio
/Simla

~~श्रीमान/महोदय~~,

दिनांक 29.5.96 को आप हमारे स्टूडियो में ~~लोकसंगीत/ शास्त्रीय संगीत~~/सुगम संगीत ग़ज़ल की स्वर परीक्षा हेतु पधारे थे। हम आपको सहर्ष सूचित करते हैं, कि स्थानीय स्वरपरीक्षा समिति द्वारा आपको "बी" ग्रेड में सफल घोषित किया गया है।

यदि आपके प्रथम तीन प्रसारण वांछित स्तर के रहे तो आगामी पाँच वर्ष की अवधि तक आपको समय-समय पर कार्यक्रमों की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुबंधित किया जायेगा।

यदि इस अवधि के दौरान आप स्वरपरीक्षा देकर "बी" हाई ग्रेड प्राप्त नहीं कर लेते तो आपको पाँच वर्ष के पश्चात पुनः स्वरपरीक्षा देनी होगी।

भवदीय,

12/6

कार्यक्रम [illegible]
कृते केन्द्र निदेशक

A

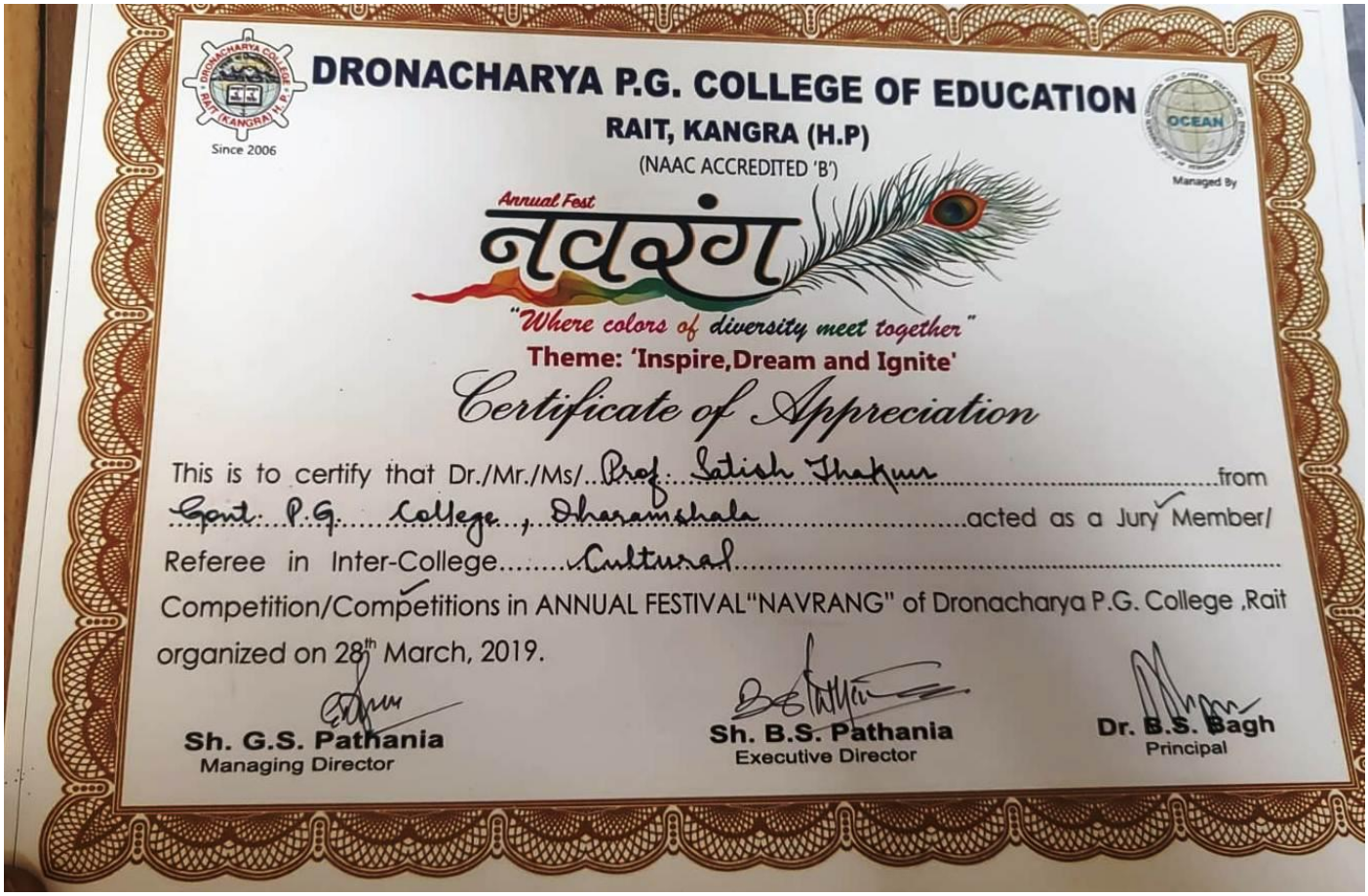

DRONACHARYA P.G. COLLEGE OF EDUCATION

RAIT, KANGRA (H.P)

(NAAC ACCREDITED 'B')

Since 2006

Managed By

Annual Fest

नवरंग

"Where colors of diversity meet together"

Theme: 'Inspire,Dream and Ignite'

Certificate of Appreciation

This is to certify that Dr./Mr./Ms/..Prof. Satish Thakur.....from Govt. P.G. College, Dharamshala.....acted as a Jury Member/ Referee in Inter-College.....Cultural..... Competition/Competitions in ANNUAL FESTIVAL"NAVRANG" of Dronacharya P.G. College ,Rait organized on 28th March, 2019.

Sh. G.S. Pathania
Managing Director

Sh. B.S. Pathania
Executive Director

Dr. B.S. Bagh
Principal